को अन्तिम रूप देने हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं। गैस पर आधारित 5 बड़े उर्वरक संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। इन पांच संयंत्रों में से बम्बई हाई/साऊथ बेसिन गैस पर आधारित महाराष्ट्र और गुजरात प्रत्येक में दो-दो और ओ० एन० जी० सी० तथा आयल इण्डिया लि० तेल क्षेत्रों से प्राप्त गैस पर आधारित आसाम में एक संयंत्र स्थापित होगा। इसके अलावा मैसर्स इण्डियन एक्सप्लोजिव्स लि० कानपुर, उत्तर प्रदेश को कानपुर में अपने चालू संयंत्र का विस्तार करने के लिये एक आशय-पत्र जारी किया गया है। 1.20 लाख मी० टन पी 2 ओ 5 की मात्रा तक सिंगल सुपर फास्फेट के उत्पादन के लिये सरकार ने हाल ही में अतिरिक्त क्षमता को लाइसेंसीकृत करने के लिये निर्णय किया है।

(ग) एक उर्वरक संयंत्र की स्थापना तकनीकी- आर्थिक तथ्यों पर आधारित है जिसमें अन्य बातों के साथ, कच्चे माल की उपलब्धता, इनफ्रास्टक्चर सुविधाओं की उपलब्धि, बाजार से नजदीकता तथा परियोजना के आर्थिक विपणन क्षेत्र में उर्वरकों के लिये मांग आदि जैसे तथ्य सम्मिलित है। जहां तक मध्य प्रदेश का सम्बन्ध है, कोरबा में एक उर्वरक संयंत्र की स्थापना के लिये कोयले पर आधारित उर्वरक परियोजना को कार्यान्वयन के लिये लिया गया था। संसाधनों में रुकावट के कारण 1974 के मध्य में इस के कार्यान्वयन को धीमा कर दिया गया था। यह भी निर्णय किया गया था कि परियोजना के और कार्यान्वयन के साथ-साथ कच्चे माल के रूप में कोयले पर आधारित अतिरिक्त क्षमता की स्थापना पर, तालचर और रामागुण्डम कोयले पर आधारित चालू किये जा रहे दो संयंत्रों के संचालन से उपलब्ध अनुभव के पश्चात् ही विचार किया जाना चाहिये। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष 93,600 मी० टन मानो अमोनियम फास्फेट 50,000 मी० टन फास्फोरिक ऐसिड और 1,40,000 मी० टन० सलफ्यूरिक ऐसिड के उत्पादन के लिये मेघनगर, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश में एक उर्वरक संयंत्र स्थापित करने के लिये मैसर्स एम० पी० मोरारजी फॉस्फाइट्स लि० इन्दौर को एक आशय-पत्र जारी किया गया है।

F.F.C. Credit for setting up of Low Cost Theatres

*120. SHRI NIHAR LASKAR:

SHRI R. V. SWAMINATHAN:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the Film Finance Corporation proposes to provide credit for setting up 30 low-cost theatres in the country;

(b) if so, to what extent the loan will be provided;

(c) where these low-cost theatres will be set up;

(d) whether any ceiling on loan assistance has been prescribed; and

(e) what are the total number of films financed by the Corporation in regional languages so far?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) to (c). Film Finance Corporation has drawn up a scheme for providing credit for the setting up of low cost theatres in the country. No target as to the number of low cost theatres to be financed under the scheme has been fixed nor have any particular locations been selected. An interest free loan of Rs. one crore is expected to be given from the blocked funds of Motion Picture Export Association of America to the Film Finance Corporation. The number of low-cost theatres to be financed and their location will depend upon the category-mix of applications which the Corporation receives when the scheme becomes operative. Bye-laws governing the grant of loans under the proposed scheme are being finalised.

(d) The scheme envisages the following ceilings on the grant of loans;—

(i) for open air theatres in rural areas—Rs. one lakhs:

(ii) for covered theatres in semi-urban areas—Rs. three lakhs and

(iii) for theatres in urban areas—Rs. 7.5 lakhs.

(e) From inception till 16th February 1979, the Corporation has financed 51 feature films and 9 documentary short films in regional languages.